11-05-2019

प्रेस विज्ञप्ति

के0जी0एम0यू0 विशेषज्ञों द्वारा स्तन ऑपरेशन में नये आयाम

वर्तमान समय स्तन की सर्जरी एक नया मोड़ ले चुकी है। ज्यादातर स्तन के ऑपरेशन आम ऑपरेशन माने जाते थे जिसे हर छोटे से बड़े गैर विशेषज्ञ डॉक्टर भी सशक्त रूप से करने में स्वयं को सामर्थ समझते थे। स्तन रोग का उपचार स्तन विशेषज्ञों के द्वारा ही होना चाहिए।

किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय के शल्य चिकित्सा विभाग की सहायक प्रोफेसर डॉ0 गितिका नन्दा सिंह ने आज दिनांक 11 मई 2019 को के0जी0एम0यू0 के कलाम सेंटर में आयोजित प्रेस वार्ता में यह जानकारी दी कि ऑन्कोप्लास्टिक ब्रेस्ट सर्जरी का प्रयोग भारत में गत वर्षों से शुरू हुआ है। डॉ0 गितिका नन्दा का यह मानना है कि जागरूकता की कमी के कारण पहले महिलाएं स्तन कैंसर के आखिरी चरण में आती थी परन्तु अब जागरूकता के कारण महिलाओं के दृष्टिकोण में बदलाव आया है, महिलाएं स्तन कैंसर के प्रथम चरण में विशेषज्ञों से परामर्श हेतु

आने लगी है इसलिए पूरे स्तन को ना निकालकर स्तन बचाने का ऑपरेशन भी सशक्त रूप से किया जा सकता है। उन्होंने बताया कि ऑन्कोप्लास्टिक ब्रेस्ट सर्जरी एक ऐसा ऑपरेशन है जिसमें 50: तक स्तन निकालकर भी स्तन को सही आकार दिया जा सकता है। इससे ना केवल स्तन कैंसर बल्कि स्तन की सादी गिल्टियाँ जिसमें छाती पर भद्दे निशान, छाती का आकार खराब होना या पूरी छाती तक निकालने की स्थिति भी आ जाती है, उसे भी बिना किसी निशान के निकाल पाना सम्भव है। डॉ0 गितिका नन्दा सिंह यह ऑपरेशन पिछले तीन सालों से कर रही है, जिससे कई महिलाओं एवं लड़कियों को स्तन पर बिना किसी निशान के उचित आकार दिया गया है जो पहले सम्भव नही था।

शल्य चिकित्सा विभाग, शुक्रवार टीम में डॉ0 गितिका नन्दा सिंह के अतिरिक्त प्रो0 विनोद जैन (प्रोफेसर) और डॉ0 पारिजात सूर्यवंशी (सह आचार्य) भी शामिल है। प्रो0 विनोद जैन ने बताया कि इस ऑपरेशन से महिलाएं बड़ी से बड़ी गांठ को बिना किसी दिखने वाले चीरे या निशान के भी निकलवा सकती है। यह ऑपरेशन महिलाओं एवं लड़कियों के हित में है जिसे हमारे चिकित्सा विश्वविद्यालय में कम से कम दरों में किया जा रहा है।